प्रस्तावना

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) में प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) व्यावसायिक प्रशिक्षण से संबंधित कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विकास और समन्वय के लिए सर्वोच्य संगठन है, विशेष रूप से ओवरऑल नीतियों, मानदंडों और मानकों को तैयार करने के संबंध में। DGT के प्रमुख कार्यों में से एक है शिल्पकारों और शिल्पकार अनुदेशकों के प्रशिक्षण के संबंध में सुविधाओं में विविधता, उद्यतम और विस्तार करना।

वर्तमान में देश में लगभग 15,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैं, जिनमें लगभग 28 लाख प्रशिक्षु नामांकित हैं। ये ITI 138 NSQF सम्मत ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्प अनुदेशकों का प्रशिक्षण DGT की अनिवार्य जिम्मेदारी है और अनुदेशक प्रशिक्षण कोर्सिस राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (NSTI) और इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (ITOT — सरकारी और निजी) में प्रस्तुत किए जाते हैं। हाल ही के सर्वे में पाया गया कि ITIs में कार्यरत अधिकांश अनुदेशक औपचारिक रूप से प्रशिक्षित अनुदेशक नहीं हैं। उन अनुदेशकों के औपचारिक प्रशिक्षण में तेज़ी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें RPL (Recognition of Prior Learning — पूर्व शिक्षण की मान्यता) शामिल है, जिन के अंतर्गत वे अनुदेशक आते हैं जो पहले से ही ITI में काफी लंबे समय से काम कर रहे हैं।

उच्च स्तरीय कौशल के संबंध में प्रासंगिक ट्रेड में कुशल होने के अलावा, सभी अनुदेशकों को प्रशिक्षण पद्धति (Training Methodology) / शिक्षण के सिद्धांतों (Principles of Teaching) में समर्थ होना आवश्यक है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, फुल-टाइम क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग कोर्स में प्रशिक्षण पद्धति एक अनिवार्य विषय शामिल किया गया है। अनुभवी सेवारत अनुदेशकों की सुविधा के लिए, विशेष रूप से शिक्षण के सिद्धांतों (वेकेशनल ट्रेनिंग) पर एक छोटी अवधि के पाठयक्रम को RPL की अवधारण के अंतर्गत DGT द्वारा डिज़ाइन और लागू किया गया है।

यह पुस्तक विशेष रूप से CITS के अंतर्गत अनुदेशक ट्रेनीज़ की ज़रूरतों को पूरा करने और साथ ही अनुभवी सेवारत अनुदेशकों को प्रशिक्षण पद्धति/शिक्षण के सिद्धांतों के थ्योरी पेपर की तैयारी करने और विश्वास के साथ परीक्षा पास करने के लिए लिखी गई है। इस पुस्तक में न केवल परीक्षा पेपर के पैटर्न के अनुसार बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQs) का एक समृद्ध संग्रह है, परन्तु अधिकांश MCQs के लिए कुँजी के साथ-साथ विस्तारपूर्वक टिप्पणियां भी दी गई हैं, ताकि समझने और सीखने में सुविधा मिल सके।

हम पूरी तरह से आशा करते हैं कि यह पुस्तक इंस्ट्रक्टर ट्रेनीज़ और RPL के अंतर्गत अनुदेशकों की ज़रूरतों को अच्छी तरह से पूरा करेगी। इसमें सुधार के लिए सुझावों का स्वागत करते हैं।

– लेखक

विषय सूची

1. **ब्रॉड वोकेशनल परिदृश्य और अनुदेशक के लक्षण 1–12**
(Broad Vocational Scenario and Traits of Instructor)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 7–12

2. **अध्ययन का मनोविज्ञान 13–30**
(Psychology of Learning)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 21–30

3. **NSQF और सिलेबस का विश्लेषण 31–41**
(NSQF and Analysis of Syllabus)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 35–41

4. **निर्देश के लिए योजना 42–57**
(Planning for Instruction)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 49–57

5. **निर्देशात्मक सामग्री 58–63**
(Instructional Material)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 62–63

6. **परीक्षण और मूल्यांकन 64–75**
(Test and Evaluation)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 68–75

7. **निर्देशात्मक कार्यों का संगठन और प्रबंधन 76–90**
(Organization and Management of Instructional Functions)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 82–90

8. **शिक्षण प्रौद्योगिकी 91–101**
(Instructional Technology)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 96–101

9. **कंप्यूटर एडिड टीचिंग 102–112**
(Computer Aided Teaching)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 109–112

10. **टीचिंग प्रैक्टिस 113–121**
(Teaching Practice)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 118–121

11. **विविध 122–132**
(Miscellaneous)
कुँजी / विस्तारपूर्वक टिप्पणियां 128–132

परिशिष्ट : मॉडल पेपर 133–153
प्रिंसिपल्स ऑफ टीचिंग (वोकेशनल ट्रेनिंग) (RPL के अंतर्गत कार्यरत अनुदेशकों के लिए)
ट्रेनिंग मैथडोलॉजी (CITS के अंतर्गत अनुदेशकों के लिए)